nandgaon times march-18-3.qxd 3/17/2026 11:56 PM Page 1

asianpaints
सभी रेंज किफायती दाम में उपलब्ध
अधिकृत विक्रेता
अरूणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदगांव
93296-47047

विश्व में प्रसिद्ध हनुमान चालीसा... पृष्ठ 2 | ईडी ने की दुर्ग क्षेत्र के बालोद... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

NIPPON PAINT
एशिया पैसिफिक का नंबर 1 पेंट*
अधिकृत विक्रेता
अरूणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदगांव
93296-47047

बुधवार, 18 मार्च 2026, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 50, अंक 153, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए

क्षेत्रीय भाषाओं में भी विज्ञान के अध्ययन और रिसर्च पेपर लाने की आवश्यकता - उपमुख्यमंत्री

ट्रिपलआईटी –नया रायपुर में 21वीं 'युवा वैज्ञानिक कांग्रेस' का उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया शुभारंभ

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नया रायपुर में आयोजित 21वें छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन (सीवाईएससी- 2026) का शुभारंभ आज उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया। दो दिवसीय इस सम्मेलन का संयुक्त आयोजन छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा ट्रिपलआईटी नया रायपुर द्वारा किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि राज्य के विकास में विज्ञान, नवाचार और शोध की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अपने छात्र जीवन और विज्ञान अध्ययन की यादें साझा करते हुए कहा कि विज्ञान पढ़ने से पहले मुझे अंग्रेजी पढ़नी पड़ती थी जिसके कारण कई लेक्चर मैंने छोड़ दिए पर धीरे धीरे सब सिख गया, आज जो रिसर्च पेपर आए हैं सभी अंग्रेजी में है और शायद परंपरागत शायद अंग्रेजी में ही होते हैं पर हमें अब क्षेत्रीय भाषाओं में भी विज्ञान के अध्ययन और रिसर्च पेपर लाने की आवश्यकता है ताकि एक ग्रामीण परिवेश का व्यक्ति भी ज्ञान अर्जित कर सके इस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भारत में विज्ञान के उद्भव पर चिंतन करते हुए कहा कि विभिन्न विषयों पर भारत के मनीषियों एवं ऋषियों ने उस समय कितने चिंतन कर लिए थे जो आज भी चिंतन का विषय है। किसी एक विषय को समझने के लिए आप प्रायोगिक तरीकों से भी जा सकते हैं और वैचारिक तरीकों से भी जा सकते हैं पर आपको उस विषय को समझना है तो प्रायोगिक के साथ वैचारिक तरीकों का समावेश आवश्यक है। आर्यभट्ट जी ने जो किताब लिखी तो चार भागों में उसमें तीन सूत्र दिए जिनमें न्यूटन के तीन नियमों के संबंध में जानकारी प्राप्त हो जाती है। उन्होंने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ के यंग साइंटिस्ट के द्वारा प्रस्तुत किए गए 194 पेपर्स को जांचने के लिए देश भर से जो हमारे 45 परीक्षक आए हैं मैं उनका हृदय से आभार करना चाहता हूं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की सरकार ने राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के लिए शोधकर्ताओं को भारत के विज्ञान तीर्थों का दर्शन कराने के लिए विज्ञान तीर्थ दर्शन योजना शुरू की जा रही है। जिसमें विज्ञान के विद्यार्थी सीवी रमन, शांति स्वरूप भटनागर, बीरबल साहनी, जगदीश चंद्र बोस, डॉ. होमी जहांगीर भाभा, विक्रम सारा भाई, सत्येंद्रनाथ बोस, हरगोविंद खुराना, सुब्रमण्यम चंद्रशेखर, अबुल कलाम आजाद जैसे भारत के महान वैज्ञानिकों के कार्यस्थल को जाकर देख सकेंगे और विज्ञान के अनुसंधानों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने अपने संबोधन में कहा कि ने छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा समर्थित विभिन्न योजनाओं और शोध परियोजनाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि राज्य शासन किस प्रकार वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान अनुदान और तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर प्रो. ओम प्रकाश व्यास ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि ट्रिपल आईटी नया रायपुर में इस सम्मेलन का आयोजन संस्थान की शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विज्ञान के बदलते स्वरूप और 'इंटरडिसिप्लिनरी' सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि वर्तमान में युवा वैज्ञानिक कांग्रेस में 20 विषय श्रेणियाँ निर्धारित हैं। 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अंतरविषयी अनुप्रयोग' को 21वीं श्रेणी के रूप में जोड़ा जाए, ताकि उभरती डिजिटल तकनीकों में युवा प्रतिभाओं को विशेष मंच मिल सके छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक श्री पी. कवीश्वर ने कहा कि छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन राज्य की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना और गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देना है। प्रो. एस. के. पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों की भूमिका वैज्ञानिक सोच विकसित करने और गुणवत्तापूर्ण

अनुसंधान को प्रोत्साहित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, महानिदेशक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद श्री पी. कवीश्वर, पूर्व कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय प्रो. एस. के. पांडेय तथा कुलपति एवं निदेशक ट्रिपल आई टी नया रायपुर प्रो. ओम प्रकाश व्यास उपस्थित रहे। इस सम्मेलन में ऑनलाइन सबमिशन पोर्टल के माध्यम से कुल 194 शोध-पत्र प्राप्त हुए, जो देश भर के युवा शोधकर्ताओं ने अपने शोध-पत्र 20 विविध वैज्ञानिक विषयों में प्रस्तुत किए हैं। इस दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान स्वीकृत शोध-पत्रों को उनके संबंधित विषय-क्षेत्र में विशेषज्ञों के पैनल के समक्ष प्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे शोधार्थियों को अपने कार्य पर विशेषज्ञों की महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ और सुझाव प्राप्त होंगे।

आयुक्त ने की राजस्व वसूली की समीक्षा

वित्तीय वर्ष समाप्ति को ध्यान में रखकर सत प्रतिशत वसूली के दिये कड़े निर्देश

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में वार्डवार वसूली की जानकारी लेकर कम वसूली पर नाराजगी व्यक्त करते हुये वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति को देखते हुये वसूली बढ़ाने एवं बड़े बकायादारों से करों की वसूली कड़ाई से करने के निर्देश दिये।

आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने राजस्व वसूली के संबंध में वार्ड वार वसूली एवं डिमाण्ड की जानकारी लेकर वर्तमान डिमांड के विरूद्ध वसूली करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी राजस्व उप निरीक्षकों से नये करदाताओं की संख्या, डिमाण्ड के विरूद्ध मकान की संख्या एवं सम्पत्तिकरदाता के संबंध में जानकारी लेकर मांग पंजी से मिलान कर वसूली के लिये निर्देशित किये। उन्होंने राजस्व अधिकारी श्री राजेश तिवारी से कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है इसके बावजूद शासन लक्ष्य के अनुरूप वसूली नहीं है, कुछ वार्ड प्रभारियों के द्वारा वसूली ठीक से नही की जा रही है, वे कर्मचारी नियमित रूप से डिमाण्ड के विरूद्ध वसूली करे तथा बड़े बकायादारों जिन्हें नोटिस दिया गया है, उनसे कड़ाई से वसूली करना सुनिश्चित करें, करो का भुगतान नही करने पर संबंधित का नल विच्छेदन करे तथा समाचार पत्रों मे नाम प्रकाशित करे। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने प्रभारियो से वसूली में आ रही परेशानी के संबंध में जानकारी लिए।

प्रभारियो ने बताया कि श्रेमिक बाहुल्य क्षेत्र में आशा के अनुरूप वसूली नही हो पा रही है। इसके अलावा जनगणना कार्य के कारण भी वसूली में परेशानी आ रही है। आयुक्त ने कहा कि करो का भुगतान नही करने पर वार्ड पार्षद से सहयोग ले तथा जनगणना के कार्य अपने ही वार्ड में करना है, इस आधार पर वसूली प्रभावित नही होगी दोनो काम साथ साथ करे। महापौर श्री मधुसूदन यादव द्वारा भी बैठक में योजनाबद्ध वसूली करने के निर्देश दिए है, उनके द्वारा बकायादारो को बुलाकर समझाईस भी दिया गया है, इन सब आधारो पर माह अंत तक लक्ष्य के अनुरूप वसूली करना सुनिश्चित करे, लापरवाही पर संबंधित के उपर कार्यवाही की जावेगी।

हिंदू नव वर्ष पर राजनांदगांव में भव्य मोटरसाइकिल रैली

राजनांदगांव। गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से हिंदू नव वर्ष के अवसर पर भव्य मोटरसाइकिल रैली आयोजित की जाएगी। रैली का उद्देश्य समाज में नव वर्ष के प्रति उत्साह और सांस्कृतिक एकता का संदेश फैलाना बताया गया है। रैली में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नगरवासी शामिल होंगे। भगवा ध्वज के साथ यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। इस दौरान जय श्री राम और हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं के उद्घोष से पूरा माहौल भक्तिमय और उत्साहपूर्ण रहेगा। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर रैली को सफल बनाएं और नव वर्ष का स्वागत हर्षोल्लास के साथ करें। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने यह भी अनुरोध किया है कि 19 मार्च की शाम अपने-अपने घरों के सामने रंगोली सजाएं और दीपक जलाकर हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं दें।

20 मार्च चेटीचंड को मटन मार्केट बंद

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। राज्य शासन के निर्देशानुसार चेटीचंड झुलेलाल जयंती के उपलक्ष्य में 20 मार्च दिन शुक्रवार को नगर निगम सीमाक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं मटन मार्केट पूर्णरूपेण बंद रहेंगे। नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य विभाग को उक्त दिवस पर पशुवध एवं विक्रय कार्य पूर्णत: प्रतिबंधित सुनिश्चित करने कहा है। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य विभाग को उक्त दिवस पर मांस विक्रय करते पाये जाने पर मांस जप्त करने, 5000 रूपये अर्थदण्ड वसूलने एवं संबंधित के विरूद्ध यथोचित कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

शंकराचार्य ने गोमाता प्रीमियर लीग सीजन 2 पोस्टर का किया विमोचन

कबीरधाम (नांदगांव टाइम्स)। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लोहारा विकासखंड के ग्राम पंचायत टाटीकसा पहला ग्रामपंचायत है जहाँ गोमाता को ग्राम माता का दर्जा प्राप्त है। ग्राम के युवकों द्वारा गौमाता के संरक्षण के लिए विभिन्न विभिन्न कार्यशाला का आयोजन कर लोगो में जागरूकता फैला रहे है । इसी तत्वाधान में टाटीईसा के युवको द्वारा अपने विधानसभा क्षेत्र में टाटीकसा गौमाता प्रियमर लीग रात्रि कालिन क्रिकेट टर्मेट का आयोजन कर युवको में गौसंरक्षण करने का जागरूकता लाना मुख्य उद्देश्य है, वही आयोजक टिम द्वारा आज श्री सपाद लक्षेश्वर धाम सलधा बेमेतरा पहुँच शंकराचार्य स्वमीश्री अविमुकेश्वरानंद: सरस्वती महाराज से विधिवत प्रचार प्रसार हेतु पोस्टर का विमोचन कराया गया।

शंकराचार्य के गौमाता राष्ट्रमाता अभियान से है प्रेरित

आयोजक टिम के कप्तान विवेक गौतम ने बताया गाय हम समस्त हिंदू सनातनियों की गोमाता है जिसका संरक्षण करना हम समस्त हिंदू सनातनियों का कर्तव्य है वही हमारे गुरु शंकराचार्य महाराज से प्रेरणा लेकर उनके गौमाता को राज्यमाता/ राष्ट्रमाता हो और जन जन को इस अभियान से जोड़ने के लिए यह क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है जिसका पोस्टर आज पूज्य शंकराचार्य द्वारा विमोचन कर आशीर्वाद प्राप्त किए ।

आयोजक टिम रहे उपस्थित

पोस्टर विमोचन में विवेक गौतम, अनिल तिवारी, बंशी रजक, ओंकार निर्मलकर, राकेश रजक, अमित साहू, गंगा सागर साहू, अनिल रजक, राज साहू, बलदू साहू प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रेत माफिया बेखौफ, प्रशासन खामोश : पेटेश्री-अलीवारा में दिनदहाड़े लूट, आखिर किसके संरक्षण में चल रहा खेल ?

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिले के राजनांदगांव में एक बार फिर अवैध रेत उत्खनन का मुद्दा गरमा गया है। डोंगरगांव ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पेटेश्री और अलीवारा इन दिनों रेत माफियाओं के लिए मानो खुला मैदान बन चुके हैं। हालात यह हैं कि सुबह से लेकर देर शाम तक नदी-नालों से खुलेआम रेत की लूट जारी है, और जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध उत्खनन अब छिपकर नहीं, बल्कि संगठित और बेखौफतरीके से किया जा रहा है। ट्रैक्टर-ट्रॉली, डंपर और अन्य वाहनों की लंबी कतारें दिनदहाड़े रेत ढोती नजर आती हैं। सवाल यह उठता है कि जब यह सब खुलेआम हो रहा है, तो प्रशासन को इसकी भनक क्यों नहीं लग रही, या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है?

सुबह होते ही शुरू हो जाता है रेत का खेल

स्थानीय लोगों के अनुसार, सूरज निकलते ही रेत माफिया सक्रिय हो जाते हैं। नदी और नालों में मशीनों और मजदूरों के जरिए रेत निकाली जाती है। कुछ ही घंटों में सैकड़ों ट्रॉली रेत भरकर बाहर निकल जाती हैं। यह सिलसिला लगातार कई दिनों से जारी है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति ही नजर आती है।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार प्रशासन और खनिज विभाग को इसकी सूचना दी गई, लेकिन हर बार शिकायतें ठंडे बस्ते में डाल दी गईं। इससे साफ जाहिर होता है कि या तो प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह निष्क्रिय हो चुका है या फिर कहीं न कहीं मिलीभगत की बू आ रही है।

राजस्व को करोड़ों का चूना

अवैध रेत उत्खनन से सरकार को भारी राजस्व हानि हो रही है। जहां एक ओर शासन रेत खदानों को वैध रूप से नीलाम कर राजस्व बढ़ाने की कोशिश करता है, वहीं दूसरी ओर इस तरह की अवैध गतिविधियां सरकारी खजाने को सीधा नुकसान पहुंचा रही हैं। बिना रॉयल्टी और अनुमति के निकाली जा रही रेत सीधे माफियाओं की जेब में जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस तरह का उत्खनन जारी रहा, तो आने वाले समय में यह नुकसान करोड़ों रुपये तक पहुंच सकता है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं।

पर्यावरण पर गंभीर खतरा

रेत केवल निर्माण कार्य का साधन नहीं है, बल्कि यह प्राकृतिक संतुलन का महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। नदी-नालों से अंधाधुंध रेत निकालने से जलस्तर गिरने का खतरा बढ़ जाता है। इससे आसपास के गांवों में पेयजल संकट गहरा सकता है।

इसके अलावा, नदी की धारा भी प्रभावित होती है, जिससे बाढ़ और कटाव जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ग्रामीणों ने चिंता

जताई है कि अगर समय रहते इस पर रोक नहीं लगी, तो आने वाले वर्षों में इसके दुष्परिणाम बेहद गंभीर होंगे।

प्रभावशाली लोगों की भूमिका पर सवाल

ग्रामीणों का सबसे बड़ा आरोप यह है कि यह पूरा खेल कुछ प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में चल रहा है। उनका कहना है कि बिना राजनीतिक या प्रशासनिक समर्थन के इतनी बड़े स्तर पर अवैध उत्खनन संभव ही नहीं है।

यही कारण है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है। स्थानीय लोगों में यह धारणा बनती जा रही है कि रेत माफिया और कुछ जिम्मेदार लोगों के बीच सांठगांठ है, जिसके चलते यह अवैध कारोबार बेखौफ जारी है।

गांवों में बढ़ रहा आक्रोश

लगातार हो रही अनदेखी से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। कई ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि वे सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे और प्रशासन को जगाने का प्रयास करेंगे।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर जिला प्रशासन कब जागेगा? क्या किसी बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा है? या फिर यह मान लिया जाए कि रेत माफियाओं के सामने प्रशासन पूरी तरह बेबस हो चुका है?

जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी अब लोगों के गले नहीं उतर रही। जब सब कुछ खुलेआम हो रहा है, तो कार्रवाई क्यों नहीं हो

रही? यह सवाल अब हर किसी की जुबान पर है।

ग्रामीणों की मांग: सख्त कार्रवाई हो

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही अवैध उत्खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए, ताकि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने यह भी मांग की है कि संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए और लापरवाही बरतने वालों पर भी कार्रवाई हो।

अब देखना यह है-

अब नजरें जिला प्रशासन पर टिकी हैं। क्या प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर कोई ठोस कदम उठाएगा या फिर रेत माफिया यूं ही प्राकृतिक संसाधनों को लूटते रहेंगे? पेटेश्री और अलीवारा के ग्रामीणों की उम्मीदें अब प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि जल्द ही कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया, तो यह मामला और भी बड़ा रूप ले सकता है।

ठेठवार पारा में नाली निर्माण के लिए महापौर ने किया स्थल निरीक्षण

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। महापौर श्री मधुसूदन यादव साफ सफाई एवं निर्माण कार्यो का जायजा लेने तथा वार्डवासियों से भेट मुलाकात करने वार्डो में जाने की कडी में आज वार्ड नं. 37 पहुॅच वार्ड पार्षद श्री जैनम बैद के साथ वार्ड भ्रमण कर वार्डवासियों से रूबरू हो साफ सफाई एवं निर्माण कार्य के लिए स्थल निरीक्षण किए। महापौर श्री यादव वार्ड नं. 37 के आजाद चौक, ठेठवार पारा, बसंतपुर थाना रोड में पैदल घुमकर वार्डवासियो से साफ सफाई के संबंध में चर्चा किए। उन्होंने कहा कि यह वार्ड शहर के मध्य का व्यवसायिक क्षेत्र है। जहॉ मकान के अलावा दुकाने भी है। उन्होंने व्यापारियो से कहा कि अपने दुकान में डस्टबिन रखे तथा निगम के डोर टू डोर कचरा संग्रहण गाडी में ही कचरा डाले, अपने प्रतिष्ठान व घर के आस पास साफ सफाई रखे स्वच्छता अपनाए। महापौर श्री यादव ठेठवार पारा में नाली निर्माण के लिए स्थल निरीक्षण कर क्षेत्रवासियो से कहा कि नाली निर्माण में सहयोग करे। अपने घर व दुकान के पास नाली निर्माण में किसी प्रकार की कठिनाई न हो इसका ध्यान रखे और सीधा नाली निर्माण में कोई अवरोध न हो इसका ध्यान रखे, क्योकि आपके घरो के पानी निकासी के लिए ही नाली बनाया जायेगा। इसी प्रकार उन्होंने गंज पारा स्कूल में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण कर शेष कार्य जल्द पूर्ण करने कहा, जिससे विद्यार्थियो को इसका लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान पूर्व नामांकित पार्षद श्री राजेश अग्रवाल सहित वार्ड के सर्वश्री नरेश बैद (पतली), मनीष गोलछा, नरेश बैद, बंशीलाल साहू, गणेश ताम्रकार, गोलू देवांगन, विक्की के अलावा प्र.सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा, उप अभियंता श्री अनुप पाण्डे तथा वार्डवासी उपस्थित थे।

बासंतीय नवरात्र पर्व पर, नवागांव (मेढा) डोंगरगढ, में

डोंगरगढ। दिनांक 19 संगीत मय, श्री मद् देवी भागवत का आयोजन समस्त ग्राम वासी के द्वारा होगा , अंचल के ख्यातिप्राप्त कथाकार पं मनोज शर्मा भंडारपुर वाले , होंगे , गुरुवार 19 मार्च को भव्य कलश यात्रा के कथारंभ होगा , शीतला मंदिर परिसर मे, कथा ,दोपहर 1 बजे शाम 5 है, समस्त ग्राम वासियों मे अति उत्साह है , देवी भागवत कथा , 27 मार्च तक रहेगा , नवमी पुजा , गीता ,पुष्प वर्षा, भंडारा के साथ कथा विराम होगा , श्रद्धालु जन से अधिक से अधिक संख्या मे पधारकर कथा श्रवण लाभ लें, यह जानकारी , सरपंच मदन देवांगन ने दिया।

महतारी वंदन के हर किस्त के साथ बढ़ा भरोसा, महिलाओं की जिंदगी में आया सकारात्मक बदलाव

पदमराज सिह ठाकुर

कबीरधाम(नादगाव टाइम्स)। छोटे-छोटे सहयोग से बड़े बदलाव की तस्वीर आज शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक देखने को मिल रही है। सहसपुर लोहारा विकासखंड के ग्राम रमपुरा, सेक्टर गोछिया में रहने वाली श्रीमती भारती वैष्णव के जीवन में महतारी वंदन योजना ने नई उम्मीद और आत्मविश्वास लाया है। महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें अब तक 25 किस्तों के माध्यम से कुल 25 हजार रुपये की राशि प्राप्त हो चुकी है। यह राशि उनके लिए किसी सहारे से कम नहीं रही। पहले जहां घर के छोटे-छोटे खर्चों को संभालना चुनौतीपूर्ण था, वहीं अब योजना से मिली नियमित सहायता ने उनकी आर्थिक स्थिति को काफी हद तक स्थिर किया है। भारती वैष्णव बताती हैं कि इस राशि का सबसे बड़ा लाभ उनके बच्चों की पढ़ाई में मिल रहा है। अब वे बच्चों के लिए समय पर किताबें, कॉपी और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध करा पा रही हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई में निरंतरता बनी हुई है और उनका भविष्य बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही यह राशि घर के दैनिक खर्चों जैसे राशन, दवाई और अन्य जरूरी जरूरतों को पूरा करने में भी मददगार साबित हो रही है। अब उन्हें छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, जिससे उनके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई है।

शुभांक

7-9-0

588-1 256-3

भाग्यांक

200-2 380-1

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग(भ/स)संभाग मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)

प्रथम निविदा आमंत्रण

ज्ञापन क्रं. 690/NIT/2025-20/वलेलि दिनांक 14.03.2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	25.03.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि	06.04.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	07.04.2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक
निविदाकारों की श्रेणी	ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी द से अ तक

निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू.में)
01	02	03
T0053	महिला एवं बाल विकास के अंतर्गत मिशन वात्सल्य (बाल कल्याण सेवाएं और कल्याण सेवाएं) योजनांतर्गत बाल कल्याण समिति कार्यालय भवन का निर्माण कार्य	8.75 6563.00 131250.00
T0054	महिला एवं बाल विकास के अंतर्गत मिशन वात्सल्य (बाल कल्याण सेवाएं और कल्याण सेवाएं) योजनांतर्गत किशोर न्याया बोर्ड समिति कार्यालय भवन का निर्माण कार्य	8.75 6563.00 131250.00
T0055	संभाग मोहला-मानपुर-अं.चौकी के समग्र शिक्षा के अंतर्गत स्वीकृत विभिन्न शासकीय स्कूलों भवनों के अंतर्गत रैम्प का निर्माण कार्य	3.62 2715.00 54300.00

नियम व शर्तें :- 1.) पंजीयन की छायाप्रति 2.) पेन कार्ड की छायाप्रति 3.) जी.एस.टी. प्रमाण पत्र की छायाप्रति 4.) निविदाकारों की श्रेणी द से अ 5.) डिप्लोमा होल्डर 1 6.) निविदा प्रपत्र की कीमत राशि रू. 750.00 ।

उपरोक्त निविदा की जानकारी विभागीय वेबपोर्टल से भी अवलोकन किया जा सकता है। टीप- ऑनलाईन से डाउनलोड किया गया निविदा फार्म को प्रेषित करने पर मान्य नही किया जावेगा, इस कार्यालय में उपस्थित होकर निविदा फार्म हेतु आवेदन प्रस्तुत करने पर ही निविदा फार्म प्रदान किया जावेगा।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग(भ/स) संभाग
मोहला-मानपुर-अं.चौकी

जी- 252607212/4

विधानसभा घेराव में राजनांदगांव से सैकड़ों कांग्रेसजन शामिल, सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

40 चारपहिया और 5 बसों में पहुंचे कार्यकर्ता, सुरक्षा घेराबंदी के बीच आक्रामक प्रदर्शन

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। राजधानी रायपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय विधानसभा घेराव प्रदर्शन में राजनांदगांव से सैकड़ों कांग्रेस नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार के नेतृत्व में कार्यकर्ता 40 चारपहिया वाहनों और 5 बसों में रवाना होकर रायपुर पहुंचे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन में मनरेगा बचाओ संग्राम और बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेसजनों ने जोरदार विरोध दर्ज कराया। रायपुर में सुरक्षा बलों की कड़ी घेराबंदी के बीच भी कार्यकर्ताओं ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफनारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की।

जितेंद्र मुदलियार ने बताया कि प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने विधानसभा घेराव के लिए कूच किया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और सरकार को चेतावनी दी गई। मुदलियार ने कहा कि महंगाई और जनविरोधी नीतियों से आम जनता परेशान है, वहीं मनरेगा जैसी योजनाओं को कमजोर किया जा रहा है। उन्?होंने कहा कि आज का प्रदर्शन केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता की आवाज है। महंगाई से आम आदमी त्रस्त है और सरकार जनहित के मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रही है। मनरेगा जैसी योजना ग्रामीणों के लिए जीवनरेखा है, लेकिन इसे कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेसजन जनता के हक के लिए सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ते रहेंगे और सरकार को जनविरोधी फैसले वापस लेने के लिए मजबूर करेंगे। राजनांदगांव से कांग्रेसजनों का दल सुव्यवस्थित तरीके से रायपुर के लिए रवाना हुआ। 40 चारपहिया वाहनों और 5 बसों में कार्यकर्ताओं की टोली ने एकजुटता का परिचय दिया। प्रस्थान से पहले कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल था और सभी ने प्रदर्शन को सफल बनाने का संकल्प लिया। संगठनात्मक मजबूती और अनुशासन के साथ कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित की। इस कार्यक्रम में दक्षिण ब?लाक कांग्रेस कमेटी अध?यक्ष चेतन भानुशाली, उत?तर ब?लाक कांग्रेस कमेटी अध?यद्वा लक्ष?मण साहू, पूर्व ब?लाक अध?यक्ष सूर्यकांत जैन, मामराज अग्रवाल, राकेश जोशी, अशोक पंजवानी, विनय झा, राजेश गुप?ता चंपू, शरद पटेल, मनीष गौतम, अमर झा, विशु आजमानी, देवेश वैष्णव, डा राजेंद्र कुमार, अवधेश प्रजापति, मंडल अध?यक्ष चुम?मन साहू, चुम?मन निषाद, गोपी रजक,

रुपेश साहू, मोहन साहू, मेघराज चंद्राकर, ललित कुमरे, सचिन तुरहाटे, राजेश सेवता, गामेंद्र नेताम, टिल?लू साहू, ताराचंद साहू, रोहित चंद्राकर, केशव पटेल, भरत सोनी, शिव देवांगन, लक्ष?मण साहू, रोहित चंद्राकर, मुस्तफा जोया, चंपा चंद्राकर, चेतन चंद्राकर, कन्हैया यादव, विक?की साहू, टिंकू साहू, लोकु टंडन, हिमालय बंदे, जय जसवाल, गजेंद्र सिंह राजपूत, रिखी राम साहू, मोहनी युवराज भारती, मेघराज चंद्राकर, सुघरी साहू, राहुल साहू, लकी चंद्राकर, लखन साहू, लक्ष?मीनारायण साहू, पोषण सिन्हा, त्रिभुवन सिन्हा, धना साहू, जनक साहू, हरिनारायण साहू, लोकेश गगवीर, राहुल रजक, गौतम निषाद, सोहन चंद्राकर, चेतराम साहू, मानसिंह साहू, शाहिल, सागर, रेहान खान, जाएद खान, साहिल वर्मा सहित अन?य बड़ी संख?या में शामिल हुए।

ग्रामीणों को मिली बड़ी सौगात, शीतला पारा में 6.50 लाख की लागत से सामुदायिक भवन का लोकार्पण

छुरिया (नांदगांव टाइम्स)। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम दतरेगा के शीतला पारा में 6.50 लाख रुपए की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण समारोह उत्साह, उमंग और जनभागीदारी के बीच संपन्न हुआ। इस निर्माण कार्य से ग्रामवासियों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक सुदृढ़ मंच उपलब्ध हुआ है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत छुरिया के अध्यक्ष श्री संजय सिन्हा ने की।विशिष्ट अतिथियों में भाजपा मंडल गैंदाटोला अध्यक्ष श्री खिलेश्वर साहू, भाजपा मंडल गैंदाटोला उपाध्यक्ष श्री कुमार साय साहू, छुरिया भाजपा मंडल उपाध्यक्ष श्री नैनसिंह पटेल, ग्राम शिकारी माहका की सरपंच श्रीमती शंकुन बडोले तथा ग्राम दतरेगा के सरपंच श्री बिसरू राम कंवर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ पूजा-अर्चना एवं फीता काटकर किया गया। अतिथियों का पारंपरिक स्वागत भी किया गया, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय बन गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा कि 6.50 लाख रुपए की लागत से निर्मित यह सामुदायिक भवन ग्रामवासियों के लिए एक बड़ी सौगात है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के विकास कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और आगे भी ऐसे कार्य निरंतर किए जाएंगे।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री संजय सिन्हा ने कहा कि यह सामुदायिक भवन गांव के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे ग्रामीणों को विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलेगी।साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा मंडल गैंदाटोला अध्यक्ष श्री खिलेश्वर साहू ने अपने संबोधन में कहा कि यह भवन ग्राम दंतरेगा के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और इससे सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही इस अवसर पर श्री उदय राम कंवर, श्री राम गुलाब विश्वकर्मा, श्री ताजु राम कंवर, श्री नरोत्तम साहू, श्री रेवाराम साहू, श्री ताराचंद कारीहेरपाल, श्री मुकेश निषाद, श्री जिराखन साहू सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। सभी ने इस विकास कार्य के लिए जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया और प्रसन्नता जाहिर की।

एक सफल वकील समाज में परिवर्तन ला सकता है - यादव

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। पं. किशोरीलाल शुक्ल विधि महाविद्यालय, में 16 मार्च , सोमवार को नशा मुक्ति, मोबाइल/फोन की लत तथा अन्य सामाजिक समस्याओं के प्रति युवाओं में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री जितेन्द्र यादव, आईएएस, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी, राजनांदगांव (छ.ग.) थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के स्वागत के साथ हुआ। मुख्य अतिथि का स्वागत नंदगांव शिक्षा मंडल के अध्यक्ष श्री सुरेश एच. लाल, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. निमिषा मिश्रा तथा प्रशासक डॉ. आर. एन. सिंह द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशा, मोबाइल की लत तथा अन्य सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर कलाकारों द्वारा प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों और उपस्थित जनसमूह को इन सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य अतिथि श्री जितेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए एक प्रेरणादायी मार्गदर्शन सत्र दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतरता अत्यंत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने विधि के विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि एक अच्छा वकील केवल पहचान या प्रतिष्ठा के लिए नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए बनना चाहिए। उनका प्रेरक एवं मार्गदर्शक संबोधन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा। कार्यक्रम में नंदगांव शिक्षा मंडल के विभिन्न पदाधिकारी एवं सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री अतुल सोनी द्वारा किया।

जिला स्तरीय मां कर्मा जयंती और सामूहिक आदर्श विवाह की तैयारी में आज डोंगरगांव में बैठक

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिला स्तरीय मां कर्मा जयंती और सामूहिक आदर्श विवाह समारोह को लेकर 18 मार्च बुधवार को मां कर्मा भवन मटिया डोंगरगांव में दोपहर 1 बजे स्थान -माँ कर्मा भवन, में आवश्यक बैठक रखी गई है द्य उक्त बैठक मे प्रदेश अध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू व जिले के समस्त पदाधिकारी गण उपस्थित रहेंगे । साहू समाज डोंगरगांव के मीडिया संयोजक घनश्याम साव ने बताया है कि बैठक का मुख्य विषय डोंगरगाव मे आयोजित जिला स्तरीय माँ कर्मा महोत्सव और सामूहिक आदर्श विवाह की व्यापक तैयारी के सम्बन्ध मे विचार विमर्श किया जायेगा , जिला स्तरीय मां कर्मा जयंती और सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम डोंगरगांव के 9 एकड़ में फैला जनसहयोग मैदान में विशेष रूप साहू समाज के 50 हजार लोगों की उपस्थिति को लेकर तैयारी की जा रही है। 22 मार्च को आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, जिले के प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव,और सांसद संतोष पांडे, विधायक दलेश्वर साहू, भोलाराम साहू, उपस्थित रहेंगे, तहसील साहू संघ डोंगरगाव के समस्त पदाधिकारी, सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी तथा सभी मण्डल के समस्त पदाधिकारी एवं सभी ग्रामों के ग्रामीण अध्यक्ष गण सामाजिक बंधुओं को उक्त बैठक मे उपस्थित होने की अपील की है।

बागेश्वर धाम मे पदयात्रीयों को सेवा के साथ 5000 कपड़े थैले का वितरण,पर्यावरण जल संरक्षण संदेश,नि:शुल्क मेडिकल कैंप भी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। माता की अराधना का पर्व नवरात्र का आरंभ 19 मार्च से होने जा रहा है प्रति नवरात्रानुसार श्री बागेश्वर धााम मंदिर परिसर में माँ बम्लेश्वरी देवी संयुक्त सेवा पंडाल में पदयात्रीयों की सेवाओ हेतु तैयांरियां की जा रही है । इस हेतु एक आवश्यक बैठक विशेषकर मातृशक्तियों की श्री बागेश्वर धाम में हुई जिसमें आयोजन की रूपरेखा तय की गई । उक्त जानकारी देते हुए पदयात्री सेवा पंडाल के पंकज गुप्ता, भावेश अग्रवाल,सौरभ खंडेलवाल, सूरज गुप्तो, राजेश शर्मा, संदेश जैन, विजय गुप्ता, हरीश गांधी,योगेश साहू,सौरभ गुप्ता ने बताया कि बैठक संतोष पटाक,राकेश ठाकुर,जनकबाई गुप्ता की अध्यक्षता में हुई । माँ बम्लेश्वरी जाने वाले पदयात्रियों की सेवा व माता नवदुर्गा की अराधना दोनो ही श्री बागेश्वर धाम में स्थापित माता के नवरात्र दरबार में की जावेगी । पर्यावरण संरक्षण गतिविधि संस्था के सहयोग से प्लास्टिक से प्रकृति बचाओं अभियान के तहत 5000/ कपड़े के थैलों का वितरण भी पदयात्रियों को किया जावेगा । उसके साथ ही प्रतिदिन माँ नवदुर्गा की महाआरती संध्या 7:30 बजे होगी । सेवा पंडाल में पर्यावरण जल संरक्षण संदेश के साथ नगर के सेवाभावी चिकित्सको का भी मेडीकल कैम्प नि:शुल्क जांच हेतु लगाया जावेगा । मंगल पाठ, सेवा जस भजन आदि भी संध्या महाआरती के पूर्व होंगे । सेवा कार्यो व माता के आराधना के धार्मिक आयोजन हेतु सेवा कार्यक्रम की रुपरेखा को अंतिम रूप दिया गया माँ बम्लेश्वरी देवी संयुक्त पदयात्री सेवा पंडाल के समस्त सेवकों सेविकाओं पदाधिकारियों द्वारा, संस्कारधानी के समस्त धर्म प्रेमी नागरिकों से सेवा पंडाल की पदयात्री सेवा में तन-मन-धन से सहयोग करने तथा माता की आराधना के पूण्यार्थ आयोजनों मे शामिल होकर पुण्य धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है । उक्त जानकारी मंदिर के सेवक अजय गुप्ता, यशोदा गुप्ता द्वारा दी गई ।

न्यायालय नजूल जाँच अधिकारी, जिला-राजनांदगाँव (छ.ग.)

राजस्व मामला क्रमांक 202603093700027 अ-6 अ वर्ष 2025-26

-:: ईश्तहार ::

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सावित्री बाई ध.प. स्व. राजकुमार यादव, निवासी नंदई, राजनांदगांव तहसील व जिला-राजनांदगांव के द्वारा शहर राजनांदगाँव मोहल्ला नंदई स्थित शीट क्रमांक 49 डी. भूखण्ड क्रमांक 139/17, क्षेत्रफल 47.38 वर्गमीटर जो धारकगण विजय, रमेश, अमित आ. स्व. शिव यादव, सुभाष, जमुनाबाई, आ. स्व. लक्ष्मण, दिनेश यादव, मोना, मनीषा सभी आ. स्व. राजकुमार, सावित्रीबेवा राजकुमार, गोलू, मनीष, संगीता सभी आ. स्व. विष्णु यादव, निवासी नंदई, राजनांदगाँव के नाम पर दर्ज है। उक्त आवेदित भूखण्ड के सहधारक गोलू विलोपित कर पूर्णानंद यादव दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है।

अतः उक्त भूमि/मकान / संपत्ति के नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था जो इस भूखण्ड पर हित रखते है, पेशी तारीख 27.03.2026 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजूल जाँच अधिकारी राजनांदगांव

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगढ

मामलेकीश्रेणी: राजस्व

संदर्भ :- जिला- राजनांदगाँव तहसील-डोंगरगढ़ प.ह.न.-00013 मुसराखुर्द ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-क्र202526420406800001

ईश्तहार

तहसील डोंगरगढ़ के प.ह.न. 00013 के अंतर्गत ग्राम मुसराखुर्द के वर्तमान भूमिस्वामी के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक रंभाबाई पिता/सीताराम पता-मुसराखुर्द 41(0.2100) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता पूनम वैष्णव पिता/-सुग्गादास के नाम पर पंजीयन/फौती होने पता-निवासी बोड़तराकला, तहसील लोरमी, जिला मुंगेली के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 23/03/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगढ पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26/02/2026 को जारी किया जाता है।

सील — नायब तहसीलदार

न्यायालय तहसीलदार लालबहादुर नगर, जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)

:: ईश्तहार::

रा.प्र.क. 202603094500005-ब / 121) -वर्ष 2025-26

एतद सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक शंकर पिता सदाराम जाति गोड़ निवासी ग्राम मडियान तहसील लाल बहादुर नगर जिला राजनांदगांव द्वारा ग्राम मडियान पटवारी हल्का नं0 42 रा.नि.मं. लाल बहादुर नगर तहसील लाल बहादुर नगर जिला राजनांदगांव में स्थित शामिलात नाम की कृषि भूमि खसरा नं0 307/1, 431/6, 4113/13, 462/6, 462/14, 462/17 रकबा 0.008, 0.060, 0.142, 0.1117, 0.097, 0.044 हेक्टेयर भूमि कुल खसरा 06 कुल रकबा 0.468 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि का ऋष्टा पुस्तिका कही गुम हो चुका है। उक्त भूमि का ऋष्टा पुस्तिका कही गुम हो जाने के कारण आवेदक को शासकीय एवं अर्धशासकीय कार्य में परेशानी हो रही है। उक्त भूमि का डुप्लीकेट ऋष्टा पुस्तिका प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय बी-1, अदेय प्रमाण पत्र तथा प्रथम सूचना रिपोर्ट, चलान की मूल प्रति पेश किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व आपत्ति हो तो वह दिनांक 20.03.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। नियत समयावधि में आपत्ति प्राप्त नही होने के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 02.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार ला.ब.नगर

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202603092200013

मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
विषयः- ब-121
डोंगरगढ़ प.ह.न. 00025 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार -सबा नाजनीन,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सबा नाजनीन आ. शमीम अख्तर अंसारी जाति मुसलमान सा. वार्ड नम्बर 13 डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगाँव द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के स्वयं सबा नाजनीन आ. शमीम अख्तर अंसारी का जन्म दिनांक 12/04/1977 को डोंगरगढ़ में हुआ है, के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व दावा हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 30/03/2026 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/03/2026 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार डोंगरगढ़

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202603092200015

513 11/03/26
विषयः-ब-121
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः-2025-2026
डोंगरगढ़ प.ह.न. 00025 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार फहीम अख्तर अंसारी,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक फहीम अख्तर अंसारी आ. शमीम अख्तर अंसारी जाति मुसलमान सा. वार्ड नम्बर 13 डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगाँव द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के स्वयं फहीम अख्तर अंसारी आ. शमीम अख्तर अंसारी का जन्म दिनांक 10/06/1972 को डोंगरगढ़ में हुआ है. के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व दावा हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 30/03/2026 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/03/2026 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार डोंगरगढ़

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202603092200014

विषयः- ब-121
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
डोंगरगढ़ प.ह.न. 00025 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार नदीम अख्तर अंसारी,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नदीम अख्तर अंसारी आ. शमीम अख्तर अंसारी जाति मुसलमान सा. वार्ड नम्बर 13 डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगाँव द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के स्वयं नदीम अख्तर अंसारी आ. शमीम अख्तर अंसारी का जन्म दिनांक 07/12/1975 को डोंगरगढ़ में हुआ है, के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व दावा हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 30/03/2026 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/03/2026 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार डोंगरगढ़

nandgaon times march-18-3.qxd 3/17/2026 11:56 PM Page 3

ज्ञान मंथन

1) किस राज्य सरकार ने काले हिरणों को उनके प्राकृतिक आवास में वापस लाने के लिए पाँच वर्षीय पुनर्परिचय कार्यक्रम (2021–2026) शुरू किया है?
2) हाल ही में चर्चा में रहे कोको द्वीपसमूह, निम्नलिखित में से किस जल निकाय में स्थित एक छोटा द्वीप समूह है?
3) 1987 से 1990 के बीच श्रीलंका में भारतीय सेना द्वारा चलाए गए उस सैन्य अभियान का नाम क्या था, जिसके लिए सेना प्रमुख ने पहली बार श्रद्धांजलि अर्पित की?
4) भारतीय डाक विभाग द्वारा भारत में डिजिटल एड्रेसिंग सिस्टम बनाने के लिए प्रस्तावित पहल का नाम क्या है?
5) हाल ही में भौगोलिक संकेत (जी.आई.) टैग प्राप्त करने वाली पोंडुरु खादी किस राज्य से संबंधित है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) छत्तीसगढ़ (2) बंगाल की खाड़ी (3) ऑपरेशन पवन (4) ध्रुव (5) आंध्र प्रदेश

भक्त माता कर्मा जयंती समारोह में जिला पंचायत सभापति जागृति चुन्नी यदु रहेंगी मुख्य अतिथि

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम माधलडबरी, चिंदो एवं दीवानभेड़ी में 19 मार्च को भक्त माता कर्मा जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र में भक्ति एवं उत्साह का माहौल रहेगा। समारोह में राजनांदगांव जिला पंचायत सभापति श्रीमती जागृति चुन्नी यदु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। उनके आगमन से कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ेगी। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम में पूजा-अर्चना, सामाजिक कार्यक्रम एवं प्रसादी वितरण जैसे विभिन्न आयोजन किए जाएंगे।

देश की भाजपा सरकार से देश में बढ़ती महंगाई पर सीधा 5 सवाल पूछा है -निकिता मिलिंद

दुर्ग / क्या अमेरिका की हर बात मानना भारत को महंगाई की ओर धकेल नही रहा है 2/ क्या वैश्विक युद्ध का बोझ सीधे आम जनता की जेब पर डालना ही सबसे आसान रास्ता बन गया है 3/ सस्ता तेल जब ले रहे थे तो फायदा बड़े कारोबारियों को अब महंगा तेल ले रहे हैं तो बोझ देश की आम जनता पर 4/ मिडिल ईस्ट के युद्ध में जनता पर पड रही महंगाई की मार कोन से आत्मनिर्भर भारत बनाने का सपना भारत सरकार दिखा रही है 5/ क्या इन हालातो में प्रधानमंत्री को देश को संबोधित नही करना चाहिए।

भाजपा नेत्री कांति मौर्य के पति लक्ष्मी प्रसाद मौर्य का निधन

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शहर की जानी-मानी वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा नेत्री कांति मौर्य के पति लक्ष्मी प्रसाद मौर्य का गत दिवस आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से शहर तथा समाजसेवी वर्ग में गहरा शोक व्याप्त है। बताया जा रहा है कि वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। बुधवार को अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण उनका निधन हो गया। स्वर्गीय लक्ष्मी प्रसाद मौर्य अपने सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और समाज के प्रति सकारात्मक सोच के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से परिवार ही नहीं बल्कि समाज के कई लोगों को गहरा आघात पहुंचा है। शहर के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं जनप्रतिनिधियों ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। गत दिवस उनका अंतिम संस्कार राजनांदगांव में संपन्न हुआ। उनकी अंतिम यात्रा उनके निज निवास मुक्तागिरी कॉलोनी बर्फानी आश्रम के पीछे से निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में परिजन, मित्रगण, समाज के लोग एवं शुभचिंतक शामिल हुए और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। शोक संतप्त परिवार के प्रति राजनीतिक और समाजसेवियो ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें तथा परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कोमा में आए लावारिस बुजुर्ग को मिला नवजीवन, अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल कॉलेज की टीम ने किया चमत्कार

पेंड्री स्थित शासकीय चिकित्सालय में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफकी समर्पित सेवा से मौत के मुंह से बाहर आया अज्ञात मरीज

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। पेंड्री स्थित भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेई स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय ने चिकित्सा सेवा और मानवता की अद्भुत मिसाल पेश की है। गहरे कोमा और मौत के करीब पहुंचे एक अज्ञात बुजुर्ग मरीज को यहां के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफने अपने अथक प्रयासों से नया जीवन दिया। लगभग 20 दिनों तक चले गहन उपचार, लगातार निगरानी और मानवीय संवेदनाओं से भरी सेवा के बाद मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो गया।

पेंड्री स्थित शासकीय चिकित्सालय में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफकी समर्पित सेवा ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि चिकित्सा केवल पेशा नहीं बल्कि मानवता की सेवा का माध्यम है। भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेई स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध इस अस्पताल में एक अज्ञात और लावारिस बुजुर्ग मरीज को मौत के मुंह से बाहर निकालकर चिकित्सकों ने नई जिंदगी दी है। इस सराहनीय कार्य में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. पी. एम. लुका तथा मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. देशकर के कुशल नेतृत्व और मेडिसीन विभागाध्यक्ष डॉ. एन. के. तिरकी के मार्गदर्शन में चिकित्सकों की पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जानकारी के अनुसार 24 फरवरी 2026 को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से एक अज्ञात बुजुर्ग मरीज को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया। अस्पताल पहुंचने के समय मरीज गहरे कोमा में था और गैस्पिंग की स्थिति में अंतिम सांसें ले रहा था। प्राथमिक जांच में पता चला कि मरीज लीवर की गंभीर बीमारी से पीड़ित है जिसके कारण वह हेपेटिक एन्सेफैलोपैथी जैसी जानलेवा स्थिति में पहुंच चुका था। हाइपोग्लाइसीमिया के कारण पूरे शरीर में गंभीर सूजन थी। संक्रमण फैलने से मरीज सेप्टिक शॉक की स्थिति में था जिससे उसकी जान बचने की संभावना

बेहद कम मानी जा रही थी। मरीज के अज्ञात और लावारिस होने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए उसके इलाज में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी। मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. देशकर के निर्देश पर मरीज के सभी आवश्यक टेस्ट, जांचें और दवाइयां पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।मरीज के उपचार की जिम्मेदारी डॉ. प्रकाश खुंटे के नेतृत्व में डॉ. आशीष दुलानी, डॉ. भूपेंद्र जंघेल, डॉ. आकाश चंद्राकर और डॉ. विकास जैन की टीम ने संभाली। डॉक्टरों ने लगातार मरीज की निगरानी की और दिन-रात मेहनत कर उसकी स्थिति में सुधार लाने का प्रयास किया। इस चुनौतीपूर्ण उपचार प्रक्रिया में अस्पताल के इंटर्न डॉक्टरों ने भी शिफ्ट के आधार पर सक्रिय भूमिका निभाई और मरीज की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित की। मरीज के उपचार में डॉक्टरों के साथ-साथ नर्सिंग स्टाफ की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। सिस्टर इंचार्ज रेखा के नेतृत्व में नर्सिंग ऑफिसर केसर, राजलक्ष्मी, मोहिनी, पूजा निषाद और चंद्रकला ने मरीज की चौबीसों घंटे देखभाल की। वार्ड बॉय और आया वर्ग ने भी मरीज की सेवा में पूरी निष्ठा से सहयोग किया, जिससे मरीज को पारिवारिक अपनत्व का एहसास मिला। लगातार लगभग 10 दिनों तक आईसीयू और क्रिटिकल केयर में गहन उपचार के बाद मरीज की स्थिति में सुधार आने लगा। धीरे-धीरे मरीज को होश आया और स्वास्थ्य में निरंतर सुधार होता गया। अंततः 14 मार्च 2026 को करीब 20 दिनों के उपचार के बाद बुजुर्ग मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो गया। इस सफल उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने पूरी चिकित्सा टीम को बधाई दी। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि शासकीय चिकित्सालय केवल संसाधनों के आधार पर ही नहीं बल्कि सेवा भावना, समर्पण और मानवीय संवेदनाओं के कारण भी समाज में विश्वास का केंद्र बने हुए हैं। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि जब चिकित्सा सेवा में मानवीय संवेदनाएं जुड़ जाती हैं।

बोड़ला में आधुनिक विजन सेंटर का हुआ शुभारंभ

अब ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर मिलेगी बेहतर नेत्र जांच सुविधा

पदमराज सिंह ठाकुर
कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। कबीरधाम जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोड़ला में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के तहत आधुनिक विजन सेंटर (नेत्र जांच केंद्र) का शुभारंभ किया गया। यह केंद्र साइटसेवर्स इंडिया के वित्तीय सहयोग तथा जन कल्याण सामाजिक संस्थान और उदयाचल सामाजिक संस्था, राजनांदगांव के संयुक्त प्रयास से स्थापित किया गया है। कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.के. तुरे के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. डी.के. तुरे ने किया। इस अवसर पर चोलामंडलम संस्था के प्रतिनिधि लतीफ (ब्रांच मैनेजर), जायसवाल और सिन्हा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती अनुपमा तिवारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोड़ला के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम सिंह राजपूत, बीपीएम रूपेश साहू, नेत्र सहायक भीषम कोसले सहित जन कल्याण सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह तथा

उदयाचल सामाजिक संस्था के हेमंत तिवारी, पवन लोहिया और विजय हरिहरनो उपस्थित रहे। डॉ. डी.के. तुरे ने कहा कि बोड़ला क्षेत्र के लिए यह विजन सेंटर एक बड़ी उपलब्धि है। आधुनिक उपकरणों और आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित यह केंद्र अब स्थानीय स्तर पर बेहतर नेत्र जांच और उपचार सेवाएं प्रदान करेगा। विशेष रूप से मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को समय पर पहचान और इलाज की सुविधा मिलेगी, जिससे दृरस्थ ग्रामीण एवं बैगा आदिवासी क्षेत्रों के लोगों को राहत मिलेगी। साइटसेवर्स इंडिया रायपुर की प्रोग्राम ऑफिसर पूजा सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि चन्त्रे वर्सस रूरल आई हेल्थ प्रोग्रामन्ज् के अंतर्गत बैगा बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण बोड़ला और पंडरिया ब्लॉक का चयन किया गया। इस अभियान के तहत व्यापक सर्वे और नेत्र जांच शिविरों के माध्यम से 3 हजार से अधिक मोतियाबिंद मरीजों की पहचान की गई है, जिन्हें उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया।

आज सनातन धर्म महासभा सर्व हिन्दू समाज के द्वारा धुम-धाम से सनातन एकता यात्रा बाला जी मंदिर पुरानी गंज लाईन से शाम 04 बजे निकलेगी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। सनातन धर्म महासभा सर्व हिन्दू समाज द्वारा के द्वारा धुम-धाम से सनातन एकता यात्रा बाला जी मंदिर पुरानी गंज लाईन से शाम 04 बजे निकलेगी सनातन धर्म महासभा से छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष संतोष पटाक जिला अध्यक्ष राकेश ठाकूर नव युवक मंडल अध्यक्ष सौरव खंडेलवाल,महिला मंडल संरक्षक शारदा तिवारी, मौसमी शर्मा,सुषमा सिंह,ममता शर्मा,ममता सोनी ने बताया कि इस समय सनातन एकता यात्रा को राष्ट्रीयता से जोड़ा जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप से भगवान राम जी का वंदन करते हनुमान जी भव्य झांकी में दिखेंगे व 1500 फीट तिरंगे के साथ-साथ आदिवासी नृत्य, आदिवासी डांडिया व डिजे व धुमाल व गाजे-बाजे के साथ यह यात्रा बाला जी मंदिर से प्रारंभ होकर तिरंगा चौक, भारत माता चौक,आजाद चौक, मानव मंदिर चौक, गांधी चौक, दुर्गा चौक,थाना चौक, सदर बाजार से होते हुये सनातन एकता यात्रा बाला जी मंदिर पुरानी

यह सनातन एकता यात्रा पूरे छत्तीसगढ़ में निकाल कर यह संदेश दिया जा रहा है। हिन्दू नव वर्ष के शुभ अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष संतोष पटाक, राकेश ठाकूर,शानिधाम व सौरव खंडेलवाल ने इस सनातन एकता यात्रा सभी धार्मिक व सामाजिक व सभी गणेश उत्सव,दुर्गा उत्सव व सभी सामाजिक व धार्मिक संगठनों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर हम सबके सनातन धर्म को आगे बढ़ाते हुए सनातन एकता यात्रा का परिचय देने की अपील की है।

कलेक्टर ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली

पदयात्री मार्ग में सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश, खाद्य दुकानों एवं प्रतिष्ठानों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। कलेक्टर श्री यादव ने जिले में शासकीय योजनाओं के सुचारू संचालन, व्यवस्थाओं में सुधार एवं योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार को विभागीय अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों का मैदानी निरीक्षण करने के निर्देश दिए, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। कलेक्टर ने आगामी चैत्र नवरात्रि पर्व को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पदयात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पदयात्री मार्गों की समुचित सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं सेवा पंडालों में स्वास्थ्य टीम की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने खाद्य दुकानों एवं प्रतिष्ठानों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने तथा खाद्य सामग्री में मिलावट करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही एक्सपायरी तिथि वाली खाद्य सामग्री पाए जाने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आम नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा बनी रहे।

उन्होंने सभी शासकीय उचित मूल्य दुकानों की सघन जांच करने के निर्देश दिए। जांच में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने जिला चिकित्सालय में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण, स्वच्छ एवं हाइजेनिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। चिरायु योजना अंतर्गत बच्चों के उपचार का नियमित फॉलोअप लेने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान के तहत बालिकाओं को निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है, जो सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए महत्वपूर्ण है। कलेक्टर ने छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करने, प्राथमिक चिकित्सा किट उपलब्ध कराने तथा नजदीकी अस्पतालों की सूची चस्पा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री यादव ने सभी आंगनबाड़ी एवं स्कूली बच्चों के आधार अपडेशन को अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित तिथि के अनुसार स्कूलों में शिविर आयोजित कर शत-प्रतिशत आधार अपडेशन सुनिश्चित करने तथा लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश प्राचार्यों को दिए। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने नगरीय निकायों में ऐसे स्थानों का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए, जहां सफाई करने के बाद कचरा डंप किया जाता है। ऐसे स्थानों पर स्वच्छता से संबंधित आकर्षक पेंटिंग एवं नारा लेखन कर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा सके। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने नदी किनारे अवैध रूप से संचालित हो रहे मोटर पम्पों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ऐसे मोटर पम्पों की जांच कर तत्काल जब्ती की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने लक्ष्य निर्धारित करते हुए धान के उठाव के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। परिवहन विभाग को अवैध परिवहन करने वाले वाहनों की नाका लगाकर जांच कर करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बिना हेलमेट पहने दो पहिया वाहन चलाने वालों पर चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सौएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर श्री प्रेम प्रकाश शर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, एसडीएम डोंगरगढ़ श्री एम भार्गव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

धर्म समाचार....

क्यों मनाई जाती है चैत्र प्रतिपदा? जानें हिंदू नववर्ष का आध्यात्मिक महत्व और परंपराएं

भारतीय कालगणना का प्रारंभ विधाता की सृष्टि-रचना के प्रथम दिवस से होता है। सृष्टि का यही प्रथम दिवस युगादि कहा जाता है। भारतीय संवत्सर के प्रथम दिवस के रूप में इसकी प्रतिष्ठा है। धर्मशास्त्रों के अनुसार इस तिथि को महत्त्व देते हुए ब्रह्माजी ने प्रथम स्थान पर रखा, अतः इसका नाम च्यतिपदाज् हुआ।' प्रतिपदा का महत्त्व सर्वाधिक है। यह लोकपितामह ब्रह्मा के सृष्टि-विधान की पहली तिथि होने से मांगलिक है। इस प्रतिपदा के पुण्य-प्रभाव को देखते हुए अनेक धार्मिक कृत्यों का निर्देश किया गया है। उदयकालिक प्रतिपदा को तेल लगाकर स्नान करना, ब्रह्माजी की, वर्ष के स्वामी की, दक्ष-कन्याओं की, तथा पल से युग पर्यंत समय की पूजा करने का निर्देश वर्ष प्रतिपदा पर उपलब्ध होता है।

उत्सव करने की परंपरा

नवीन ध्वजारोहण, तोरण-पताकाओं आदि की सजावट तथा धूमधाम से उत्सव करने की परंपरा भी नववर्ष की इस तिथि पर प्रचलित है। संवत्सर शब्द का अर्थ बताते हुए कहा गया है कि जिसमें ऋतुएं निवास करती हैं। इस दृष्टि से देखने पर वर्ष प्रतिपदा वर्ष की पहली ऋतु के प्रथम मास के प्रथम पक्ष की पहली तिथि है।

प्रथम ऋतु वसंत का महत्व

यह प्रथम ऋतु वसंत है, जिसे ऋतुराज कहा जाता है। चैत्र एवं वैशाख मास जिन्हें क्रमशः मधु तथा माधव मास कहा जाता है, ऋतु के महीने हैं। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नववर्ष के रूप में देश भर में भिन्न-भिन्न नामों से मनाया जाता है। दक्षिण के राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना, आन्ध्रप्रदेश आदि में उगादि अथवा युगादि (युग का आदि) के रूप में वर्ष प्रतिपदा प्रसिद्ध है। महाराष्ट्र और गोवा में इसका रूप गुडी पड़वा है, गुडी अर्थात पताका और पड़वा अर्थात प्रतिपदा कहलाता है। सिंधी समाज में चेटीचंड (चैती चन्द) चैत्र के चंद्रमा के प्रथम दर्शन के रूप में प्रचलित है।

पहली प्रतिपदा केवल नववर्ष नहीं

वसंत की मधुमयी प्रकृति, खेहार्द वृक्ष-वनस्पति समुदाय, शीत के कोप से मुक्त होता परिवेश और समृद्ध होती धरती के कारण चैत्र मास भारतीय अवधारणा में श्रीमान्ज् मास कहलाता है। इसकी पहली प्रतिपदा केवल नववर्ष ही नहीं, नवजीवन की संभावना लेकर आती है। धर्मविग्रह श्रीराम के प्राकट्य का महीना बनकर यह चैत्रमास हमारी संस्कृति का आदरणीय मास समझा जाता है। प्रतिपदा से आरंभ नवरात्र पर्व शक्ति सदाचार का अनुष्ठान-पर्व है, जिसकी नवमी पर मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम का जन्म इसे रामनवमी की संज्ञा प्रदान करता है। वर्ष प्रतिपदा इन सभी दिव्यातओं का एकात्म उत्सव है।

क्यों रात के सन्नाटे में रोते हैं कुत्ते और बिल्लियां? शकुन शास्त्र का सच यहां जानें

हमारे बड़े-बुजुर्ग हमेशा से कहते आए हैं कि बेजुबान जानवरों का रात में रोना कोई आम बात नहीं है। तो आखिर इसके पीछे का सच क्या है? आइए जानते हैं कि शास्त्रों के अनुसार, इसका क्या मतलब होता है। भारतीय परंपरा में 'शकुन शास्त्र' का बहुत महत्व है। इसके अनुसार, पशु-पक्षियों की कुछ हरकतें हमें भविष्य में होने वाली शुभ-अशुभ घटनाओं का संकेत देती हैं। माना जाता है कि जानवरों के पास एक 'छठी इंद्री' होती है, जिससे उन्हें आने वाले खतरे या नकारात्मक ऊर्जा का आभास हमसे पहले हो जाता है।

क्या कहता है शकुन शास्त्र ?- शकुन शास्त्र के अनुसार, कुत्तों का रोना शुभ नहीं माना जाता। ऐसी मान्यता है कि अगर कोई कुत्ता लगातार रात में रो रहा है, तो यह किसी अशुभ घटना या परिवार में किसी दुखद समाचार के आने का पूर्व-संकेत हो सकता है। यहां तक कि इसे आने वाली किसी प्राकृतिक आपदा जैसे भूकंप आदि से भी जोड़कर देखा जाता है।

बिल्ली का आपके दरवाजे पर रोना- शकुन शास्त्र के अनुसार, रात के समय मुख्य दरवाजे पर बिल्ली का रोना आने वाली किसी बड़ी मुसीबत की पूर्व-सूचना हो सकता है। इसे परिवार के किसी सदस्य पर आने वाले संकट या उनके बिगड़ते स्वास्थ्य से जोड़कर देखा जाता है। ज्योतिष शास्त्र में बिल्ली को राहु ग्रह का प्रतिनिधि माना गया है। बिल्ली के रोने को घर में मानसिक अशांति, बेवजह के तनाव और आपसी झगड़ों (कलह) का संकेत माना जाता है। यह इस बात की ओर भी इशारा करता है कि घर के आस-पास कोई नकारात्मक ऊर्जा सक्रिय हो सकती है।

रात में गाय का बोलना- कुत्ते और बिल्ली के अलावा, अगर रात में गाय अचानक बोलना (रंभाना) शुरू कर दे, तो इसे भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। आमतौर पर गाय दिन के समय ही शांत और प्रसन्न रहती है। शकुन शास्त्र के अनुसार, अगर गाय रात के सन्नाटे में बार-बार बोले, तो इसका अर्थ है कि आस-पास के क्षेत्र में कोई बड़ी समस्या या संकट आने वाला है।

nandgaon times march-18-3.qxd 3/17/2026 11:56 PM Page 4

- क्रिकेट किट
- फुटबाल
- हॉकी किट
- योगा मेट

स्वाती स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट...

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो- खो, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, थ्रो बॉल, शॉपट बॉल, हाई जम्प, बॉक्सिंग रिंग, टेनिस बॉल, स्पोर्ट्स बॉल, रैकेट बैग, स्पोर्ट्स बॉटल, स्पोर्ट्स बैग, बैडमिंटन नेट, स्कोरल टेबल, बोर्ड गेम्स, टी- टी टेबल,टी-टी बॉल, टेबल टेनिस बेट, टी-टी बेट, टैक शूट, जिम सामग्री, स्पोर्ट्स शूज, स्कूल बैग सहित सभी खेल सामग्री उपलब्ध...

स्टेडियम परिसर, कलेक्टोरेट के सामने राजनांदगांव, मो. 99819-65770, 88393-71971

जनपद सीईओ को अधिकार नहीं, फिर भी पंचायत सचिव के रोके गए वेतन

जनपद सीईओ को पंचायत सचिव के शिकायत पर जिला कार्यालय से नोटिस जारी

छुईखदान (नांदगांव टाइम्स)। ग्राम पंचायत दनिया के सचिव के वेतन भुगतान को लेकर जनपद पंचायत छुईखदान में विवाद गहराता नजर आ रहा है। अनुसूचित जनजाति वर्ग से आने वाले सचिव बुधारु राम धुर्वे का वेतन कई महीनों से नहीं मिलने पर ग्राम पंचायत दनिया के सरपंच और ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गंडई-छुईखदान को ज्ञापन सौंपकर 18 मार्च को जनपद पंचायत कार्यालय का घेराव और धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। ज्ञापन में कहा गया है कि सचिव का कई माह का वेतन रोक दिया गया है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सरपंच का आरोप: बिना कारण रोका गया वेतन

ग्राम पंचायत दनिया के सरपंच मंगलू साहू ने कहा कि पंचायत सचिव नियमित रूप से पंचायत के कार्यों में उपस्थित रहते हैं और शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहे हैं। इसके बावजूद उनका वेतन रोक दिया गया है। सरपंच का कहना है कि इस संबंध में एक माह पहले भी जनपद पंचायत कार्यालय में आवेदन देकर सचिव का वेतन जारी करने की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

तीन दिन में भुगतान नहीं तो आंदोलन

सरपंच और ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि सचिव का रुका हुआ वेतन तीन दिन के भीतर जारी नहीं किया गया तो 18 मार्च को सुबह 11 बजे जनपद पंचायत छुईखदान कार्यालय का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस आंदोलन में सरपंच, पंच, ग्रामीण और पंचायत प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

जनपद सभापति सुधीर गोलछा ने उठाया मुद्दा

जनपद सभापति सुधीर गोलछा ने भी इस मामले में नाराजगी जताते हुए कहा कि संबंधित सचिव नियमित रूप से पंचायत में उपस्थित होकर कार्य कर रहे हैं और सरपंच द्वारा उनकी उपस्थिति की लिखित जानकारी भी दी जा चुकी है। इसके बावजूद उनका वेतन लंबित रखा गया है, जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सचिव के खिलाफ न तो सरपंच, न पंचों और न ही ग्रामवासियों द्वारा कोई शिकायत की गई है।

आज-कल भुगतान होगा कहकर टालने का आरोप

गोलछा ने आरोप लगाया कि वेतन भुगतान के मामले में जनपद पंचायत कार्यालय की ओर से लगातार च्आज-कल भुगतान कर देंगेज्ज् कहकर टालमटोल की जा रही है। उन्होंने बताया कि जब सरपंच, पंच और ग्रामीण आंदोलन के लिए समर्थन लेने उनके पास पहुंचे तब पूरे मामले की जानकारी सामने आई। उन्होंने कहा कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

सचिव ने भी लिखा पत्र, बताया आर्थिक संकट

इधर पंचायत सचिव बुधारु राम धुर्वे ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र लिखकर रुका हुआ वेतन दिलाने की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा कि कई महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और परिवार के भरण-पोषण व इलाज में भी परेशानी हो रही है। सचिव ने प्रशासन से जल्द भुगतान कराने की मांग की है ।

ग्राम पंचायत दनिया के सचिव बुधारू राम धुर्वे सहित और भी सचिव हैं जिनका वेतन रोका गया है द्य ऐसे सचिव जो ग्राम पंचायत कार्यालय तो जाते हैं और जनपद पंचायत कार्यालय छुईखदान नहीं आते या कार्यालय प्रमुख से नहीं मिलते हैं, वैसे सचिव के वेतन रोका जाता है, बाकी सचिव का नियमित रूप से हर माह वेतन भुगतान किया जाता है ।

केश्वरी देवांगन, सीईओ जनपद पंचायत छुईखदान

किसी नियमित सचिव का वेतन रोकना सीईओ के पदीय अधिकार क्षेत्र से बाहर की कार्यवाही है । यह मामला अनुसूचित जनजाति वर्ग से आने वाले कर्मचारी से जुड़ा है, सीईओ के द्वारा अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर वेतन रोकना गंभीर विषय है और इसकी उच्च स्तर पर जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए। सचिव का लंबित वेतन तत्काल जारी किया जाए, अन्यथा इस पूरे मामले की शिकायत उच्च स्तर पर की जाएगी द्य

सुधीर गोलछा, सभापति जनपद पंचायत छुईखदान

छुईखदान जनपद सीईओ के द्वारा अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर सचिव का वेतन जनपद पंचायत में रोके जाने की शिकायत प्राप्त हुई है, नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है द्य च्ज्ज

प्रेम कुमार पटेल, सीईओ जिला पंचायत केसीजी

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तर पर हुआ डोंगरगढ़ की महिलाओं का सम्मान

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। महिला सशक्तिकरण संघ ने 8 मार्च 2026 को प्रदेश स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन राजनांदगांव में डॉ अंबेडकर संस्कृतिक भवन में आयोजित किया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में महिला सशक्तिकरण संघ भारत की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आयुष्मति प्रज्ञा बौद्ध जी ने महिलाओं के सर्वांगीण विकास के क्षेत्र के सफलता का योगदान पर अपने विचार व्यक्त किये,छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला सशक्तिकरण संघ प्रदेश अध्यक्ष आयुमति पदमा मेश्राम जी ने अपने अध्यक्ष भाषण में महिला सशक्तिकरण संघ के गठन से वर्तमान तक के सफर को प्रस्तुत किया प्रदेश के सभी जिलों से और एवं ब्लॉकों से टीम पहुंची थी इस अवसर पर राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय बालिका खिलाड़ियों का सम्मान किया गया पत्र व समिति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली महिलाओं को धम्मा सेवा अवॉर्ड एवं नारी शक्ति करण अवार्ड से सम्मानित किया गया जिसमें डोंगरगढ़ से जाई सेंडे, नलिनी मेश्राम, ज्योति मेश्राम, मनीषा मेश्राम, ममता भोयर, किरण मेश्राम, राधिका जघेल, माधुरी मेश्राम, सुनीता सिंग, अनुपमा लाडगे, अरुणा गजभीये, संगीता रंगारी को उनके विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए धम्म सेवा अवार्ड तथा नारी सशक्तिकरण अवार्ड से सम्मानित किया गया।

आवश्यकता है
Nursing Staff
(ICU & NICU) – 5 पोस्ट
(ANM, GNM, BSC Nursing)
डी. एन. ए. क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल
एक्सिस बैंक के पास , भदोरिया चौक राजनांदगांव (छ.ग.)
मो.न. : 7509154040 , 9343184709

प्रिसिशन इंजी वर्क्स
स्टील अलमारी, स्ट्रॉग रूम गेट
सभी तरह के फेब्रीकेशन वर्क किया जाता है।
पता- इण्डस्ट्रियल एरिया, जीई रोड, राजनांदगांव
मो. 94060-11669

धर्म नगरी गैन्दाटोला में 51 फीट धर्म ध्वजा स्थापना 19 मार्च को, भव्य बाइक रैली निकलेगी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। ग्राम गैन्दाटोला में ग्रामवासियों के सहयोग से हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत 2083 के पावन अवसर पर 19 मार्च, गुरुवार को 51 फीट ऊंची धर्म ध्वजा की स्थापना दुर्गा मंदिर प्रांगण के समीप की जाएगी। इस आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है। कार्यक्रम के तहत भव्य बाइक रैली भी निकाली जाएगी, जिसमें आसपास के गांवों के युवा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आयोजन को लेकर क्षेत्रभर में चर्चा है और बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी की संभावना जताई जा रही है। इस धार्मिक आयोजन में सरपंच श्रीमती उषा कमलनारायण गुप्ता, ग्राम पटेल महेश गुप्ता, डॉ. प्रकाश शर्मा, राजू सिंह राजपूत, सत्यनारायण अग्रवाल, संजय मानिकपुरी, धनेश्वर गुप्ता, सोहन निषाद, निरंजन साहू, भूपेंद्र देवांगन, लेखू

दास मानिकपुरी, दुष्यंत कंवर, आशीष गुप्ता, मनोज कोंचे, नरेंद्र मानिकपुरी, शिवेंद्र चंद्रवंशी, प्रवीण देवांगन, विकेश निषाद, चमन साहू, शिव निषाद, छोटे लाल निषाद, गोविंद योगी, अजय साहू, भुनेश साहू, बबला साहू, राजू सोयम, मोहन निर्मलकर, धनेश्वर निषाद, भागी यादव, पवन सेन, बसंत निषाद, दुर्गा नेताम, श्रवण साहू, सूरज योगी, अमन सोनी, अखिलेश साहू, नोहर साहू, सोम नेताम, निखिल साहू, लक्की विश्वकर्मा, कुलदीप ठाकुर, संजय दावड़ा साहू, विवेक साहू, शिवम यादव, रेखचंद सेन, अशवन साहू, टीकम साहू, सूरज यादव, अरुण सेन, दीपक ठाकुर सहित समस्त ग्रामवासी सहयोग प्रदान कर रहे हैं। ग्राम जोशीलमती के उपसरपंच चित्रांगन साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी ग्रामवासियों के सहयोग से इस आयोजन को भव्य और सफल बनाने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

तुमडीबोड मे हर्षोल्लास के साथ मनाया कर्मा जयंती

उल्लेखनीय सेवा कार्य करने वालो का समाज ने किया सम्मान

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। ग्राम साहू समाज तुमडीबोड के द्वारा संत शिरोमणी भक्त माता कर्मा की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह शोभा यात्रा मे महिलाओ व युवाओ ने बढचढ कर हिस्सा लिए। महिलाओं की कलश यात्रा पूरा गांव का भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल पंहुचे। कार्यक्रम स्थल पर सामूहिक पूजा आरती के पश्चात अतिथी सत्कार किया गया । इस अवसर पर अतिथी डोंगरगांव विधायक के धर्मपत्नि श्रीमति जयश्री साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमति किरण अमर साहू, जिला साहू संघ राजनांदगांव के संरक्षक कमलकिशोर साहू, उपाध्यक्ष शैलेन्द्र साहू व मदन साहू, पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू, क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र यादव, तहसील साहू संघ डोंगरगांव के संरक्षक हेमंत साहू, तुमडीबोड परिक्षेत्र अध्यक्ष हेमंत साहू, जनपद सदस्य श्रीमति जया तिमेश साहू, स्थानीय सरपंच भुनेश्वरी साहू थे। श्रीमति जयश्री साहू ने एक नारी का सामाजिक बदलाव भूमिका का बखान की, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमति किरण अमर साहू ने भक्त माता कर्मा के जीवन गाथा का वर्णन करते हुए माता के आदर्श को अनुसरण करने का आव्हान किया। कार्यक्रम को जिला साहू संघ के संरक्षक कमलकिशोर साहू, जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र यादव,पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू, उपाध्यक्ष मदन साहू, मंडल अध्यक्ष हेमंत साहू आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर समाज मे उल्लेखनीय सेवा कार्य करने वाले सामाजिकजनो व प्रतिभाओ का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विशाल भंडारा का भी आयोजन किया। कार्यक्रम मे साहू समाज के साथ साथ सर्व समाज के प्रतिनिधी सम्मिलित हुए जिसमे टीकम पटेल, खेलूराम साहू, हेमसिंग साहू, अमरोतन साहू,भेखदास साहू, राजेश साहू, दीपक साहू, अशोक जैन, पिताम्बर साहू, सुदर्शन साहू,घनेन्द्र साहू, आदि सहित बड़ी संख्या मे लोग शामिल थे।

मिडिल स्कूल गुंगेरी नवागांव में आठवीं के बच्चों को दी बिदाई

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गुंगेरी नवागांव में आठवीं के बच्चों को गुलदस्ता व पेन भेंट कर बिदाई दिया

गया। इस अवसर पर शाला विकास समिति के अध्यक्ष राजेंद्र साहू, उपाध्यक्ष पन्ना लाल यादव, डॉ खेमुदास साहू , संकुल समन्वय नीलमणी साहू, प्रधानपाठक देवबती साहू, शिक्षक गैंद लाल डहरे, माधव साहू ,शिक्षिका दीपिका साहू, अंजु देवांगन, , टीलेश्वर साहू , अमरनाथ एवं शाला के बच्चे कुमारी नेहा, नागेश्वर साहू,प्रियंका, सुलेखा, धनेश्वरी,मीरा साहू उपस्थित रहे।साथ द्यही आंगनबाड़ी के कार्यकर्ता कीर्ति साहू द्वारा बच्चों को उपहार दिया गया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए शिक्षक माधव साहू ने कहा कि बच्चों को हमेशा अपने माता -पिता व गुरुजनों का सम्मान कर मेहनत करे ।शिक्षा विकास के सभी रास्ते खोलते हैं।

जाति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु सक्षम अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ही है, 30 दिनों के भीतर करे आवेदन का निराकरण - हाईकोर्ट

नायब तहसीलदार राजनांदगांव राकेश कुमार नागवंशी द्वारा लंबे समय से आवेदन पर कार्यवाही नहीं करने के कारण प्रस्तुत की गई थी याचिका – लवकुमार रामटेके

बिलासपुर (नांदगांव टाइम्स)। मामला जाति प्रमाण पत्र का आवेदिका की पूर्वज अविभाजित मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के मूल निवासी रहे हैं आवेदिका के पिता उत्तम कुमार का विवाह नीला के साथ हुआ था नीला बहाने वर्ष 1988 को विभाजित मध्य प्रदेश मी स्वास्थ विभाग के अंतर्गत राजनांदगांव जिले की अंबा घर चौकी में प्रथम नियुक्ति पाकर अपना कार्य प्रारंभ किया था आवेदिका का जन्म अविभाजित मध्य प्रदेश के राजनांदगांव जिले में ही हुआ था तथा आवेदिका की शिक्षा दीक्षा भी मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य में ही हुई है आवेदिका ने इसी आधार पर स्वयं के जाति प्रमाण पत्र के लिए विधिवत आवेदन लोक सेवा केंद्र के माध्यम से प्रस्तुत किया. उक्त आवेदक को सक्षम प्राधिकारी द्वारा बिना किसी जांच के निरस्त कर दिया था जिस पर आवेदिका ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट अधिवक्ता लव कुमार रामटेके मो. 9827480450 के माध्यम से रिट याचिका प्रस्तुत की जिस पर माननीय उच्च न्यायालय ने अपील के निर्देश के साथ प्रकरण का निराकरण किया. इसके पश्चात विधिवत राजनांदगांव अपर कलेक्टर के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई अपर कलेक्टर के अधिवक्ता की दिए गए दलील प्रस्तुत किए गए तर्क और बहस तथा प्रस्तुत न्याय निर्णय व नियम अधिनियम से अपीलीय अधिकारी ने माना कि आवेदिका की माता अधिनियम 2013 के तहत अस्वैच्छिक प्रवास के तहत छत्तीसगढ़ में निवास कर रही है और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा 25 जून 2025 को जारी आदेश को निरस्त करते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजनांदगांव को आवेदिका के आवेदन जो अनुसूचित जाति महार का स्थाई जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है का अधिनियम 2013 के तहत निराकरण किया जाने का निर्देश दिया था. इसके बाद पुन: आवेदिका अल्फा ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से लोक सेवा केंद्र में जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया जिस पर नायब तहसीलदार के द्वारा मूल दस्तावेज लेकर उपस्थित होने का निर्देश दिया गया अवंतिका सहित अधिवक्ता द्वारा मूल दस्तावेजों का अवलोकन करते हुए नायब तहसीलदार को पूर्ण रूप से संतुष्ट

कराया गया तथा समय सीमा पर अस्थाई जाति प्रमाण पत्र जारी करते हुए आवेदक को स्थाई जाति प्रमाण पत्र के लिए सक्षम प्राधिकारी अनविभागीय अधिकारी राजस्व को अग्रेषित करने का निवेदन किया गया था. लंबे समय तक नायब तहसीलदार श्री राकेश कुमार नागवंशी राजनांदगांव द्वारा स्थाई जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जाने से तथा मूल आवेदन को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजनांदगांव को अग्रेषित नहीं किए जाने से व्यथित होकर माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष नायब तहसीलदार राकेश कुमार नागवंशी पर विभागीय कार्रवाई करने एवं आवेदिका को समय सीमा पर स्थाई जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने हेतु रिट याचिका प्रस्तुत की गई. न्यायालय बिलासपुर द्वारा सोमवार को सुनवाई करते हुए अनविभागीय अधिकारी राजस्व को ही जाति प्रमाण पत्र के लिए सक्षम अधिकारी मानते हुए 30 दिवस के भीतर जाति प्रमाण पत्र जारी करने वाले आवेदन का निराकरण करने का निर्देश जारी किया है और यह माना है कि जाति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु सक्षम प्राधिकारी अनुविभागी अधिकारी राजस्व ही है. शासकीय अधिवक्ता ने भी न्यायालय को अवगत कराया की याचिका करता का आवेदन वर्तमान में निरस्त नहीं किया गया है 30 दिनों के भीतर अधिनियम के तहत विधिवत उसका निराकरण किया जाएगा. श्री रामटेके ने प्रेस को अवगत कराते हुए बताया कि 15 दिनों के भीतर नायब तहसीलदार राकेश कुमार नागवंशी द्वारा अस्थाई जाति प्रमाण पत्र जारी करते हुए आवेदन सक्षम प्राधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजनांदगॉव को यदि प्रेषित नहीं किया गया और सक्षम प्राधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजनांदगॉव द्वारा समय सीमा पर स्थाई जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया तो वे नायब तहसीलदार सहित अनुभाग्य अधिकारी राजस्व के विरुद्ध व्यक्तिगत दुर्भावना रखते हुए जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जाने की शिकायत करते हुए पुन: माननीय न्यायालय के समक्ष और मानना का मामला दाखिल करेंगे तथा प्रशासनिक स्तर पर भी इसकी शिकायत करेंगे.

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्श इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, मो: 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com